

श्रीराष्ट्रिय अभिलेखालय

नेपाल

विषय: कर्म ३१२५५

पुस्तक नाम: श्री भैरवीधि

अ. सं. ५.१६१२

वि. सं. १५३८

पत्र सं. १२

आकार

NATIONAL ARCHIVES

NEPAL

Subject:

Manuscript-Name:

C. No.

S. No.

Folio. No.

Size.

Short Title

Bhairava bali vidhi

NEPAL-GE RAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

NATIONAL ARCHIVES, KATHMANDU, NEPAL.

Manuscript No. 1. 1612

सं. सं. Dharma (Karmakanda) 1538

Catalogue (पुस्तक संविधान पुस्तिका) vol. No.

TITLE: Bhairava bali vidhi

No. of leaves: 12

Size in cm: 25.78-8

Real No.

Date of filming: 3.12.72

Script: Devanagari

Remarks: paper

B. 375
23

एषाश्चैव यथा कवलि विधिविधि॥ काष्ठं युसलं रैव वत्सलं यत्नसं स म उ॥ यत्नं
नि॥ हुलिमा॥ मसाम॥ तालमसाम॥ थितासाम॥ सवसति रैव व॥ कपयसाम॥ दयं
यथासा॥ क्वयसीम॥ ययगाला॥ यनानियाता॥ सत्यं रैव व॥ सदा॥ यथासुतया रै
निदाया॥ चकतिमा॥ हुनादा॥ ययकहुनाया॥ यलमा॥ हुमिहसिसेम॥ वदाया॥
तायथारैव यथा ता यथा हुनाया॥ कथययाया॥ हुत्वाया च रय॥ मिसं रैव॥ मस
वालीया॥ हुक्कलीया॥ दथया च हुनाया॥ दथया च लीया॥ दथया च रय॥ ययवहु

नाया॥ जलला॥ जलकाक॥ थमिकलाय॥ हुनायक॥ थमिवरु॥ बाहक
 वरावरु॥ वाताव॥ वावयवहुनाय॥ मकदगहुनाय॥ मीगलवाहुनाय॥ घु
 बजिलीका॥ गव॥ लालीष॥ रुवदासेवव॥ गवहुनाय॥ तातवाधव॥ ॥
 श्वाजसवलिविय॥ काकु॥ लमाद॥ याकानि॥ हुलिमा॥ गमन॥ सेवव॥ स्य १
 नमगव॥ स्वावरुगवति॥ थनलीष॥ म्वजय॥ थनयिनाय॥ वकाठक॥ ॥
 श्कलदववयावलिधिया॥ काकुयी॥ सेवव॥ वताला॥ गमनरुडकाली॥ वा

लमसाना॥ थितारुजन॥ यालखा॥ कु॥ हुलखावदक॥ कुश्रीमसन॥ सवहमि
 सेवव॥ कीमावी॥ वावाही॥ उंदायधी॥ यिनायदा॥ मागलवा॥ यिनाय॥ गल
 यिनाय॥ मूलवानिमहाकाल॥ भाकनिमा॥ महालकी॥ ॥ रुवदावासेवव॥ घु
 बजिलीका॥ यिमव॥ ॥ गीमव॥ रुमिहव॥ ॥ मूलनाधव॥ भाववासेवव॥ ता
 तयावाधव॥ ॥ कथुवयावरुन॥ से॥ ॥ यनानि॥ याता॥ वकायधी॥ ॥ मानध
 व॥ नायवावाही॥ खत्य॥ धनसेवव॥ ॥ नासिक॥ रुडकालि॥ ॥ वाताव॥ नायः

वावाही॥ ॥ नलाकाकुवावकोमायी॥ ॥ कलायवावकोमायी॥ ॥ थमिर्क
 र्वेवकी॥ ॥ थमिर्कनगवकोमायी॥ ॥ वाहाकवरावरेवव॥ वायय
 वयिनाय॥ ॥ दथवाकुयिनाय॥ ॥ यिनायकुरुडकालि॥ ॥ वाकवाहा॥ वा
 दावारेवव॥ ॥ कुकुलीव॥ ॥ कयवाकुनुनाय॥ ॥ धविश्चवगुरुगवति॥ २
 वजा॥ वलियाठ॥ ॥ श्वाद्यवकुविधनाथरुयादवलयवलिधियाविधि
 ॥ काकु॥ नमाह॥ याकानि॥ ॥ कुविमा॥ ॥ रेववनाल॥ ॥ कथवयाव

॥ र्कवाहा॥ नगवगुमान॥ वालगुमान॥ थिताराजना॥ यालया॥ यिलया॥ कव
 सीमा॥ सवसुतिरेवव॥ यिनायदा॥ मकनमिमा॥ मूलयानि॥ रेवदाया॥ गलकु
 नाय॥ जगवा॥ मागवया॥ धुवमिबका॥ नववासीव॥ मूलनाधव॥ ताववारेववावा
 दाया॥ शान॥ धविश्चवा॥ खत्य॥ वकान्यनानिया॥ सांदा॥ थमिया॥ नकदना
 वाययव॥ वावाव॥ नलायाकाकु॥ लु॥ थमिरेवव॥ कयलाकुनुनाय॥ दथवा
 कुनुनाय॥ दथवा॥ रेवव॥ कुकुलीव॥ वजा॥ वलि॥ ॥ १ मूलयानि॥ दथ

कवनधर्म ॥ लीखिली ॥ नीमहे वव ॥ रुसमुदा ॥ खिखीदा ॥ लमकननिमा ॥ कन
 दाव ॥ भयानदा ॥ वटाया ॥ नमिसव ॥ धययायादि ॥ यिनायदा ॥ लिखायानि ॥ रुव
 दा ॥ लवूवखाल ॥ गयारववा ॥ यानि ॥ धुवमिठक ॥ मकव रुति ॥ गवलालीव ॥ ३
 सुलीलीकाला ॥ गिमती ॥ दामव ॥ कलधुवावा ॥ मकाअल ॥ ॥ रकाकुसवलिधि
 य ॥ वेवूवी ॥ रुगयाल ॥ दवावयाल ॥ मूलराजन ॥ खानधिना राजन ॥ वालगमन
 ॥ कोमावी ॥ वावाही ॥ यालखा ॥ यिलखा ॥ ययमव ॥ रुवसीम ॥ रुववदा नकिनकुमि

॥ सबखतिरुवव ॥ उकलेरुवव ॥ यधुधवी ॥ रुसवारुव ॥ खाहादा गमन ॥ तइमा
 या ॥ यमरुयिनाय ॥ मंगलया ॥ ॥ रुववयाकवलिधिया ॥ रुववया ॥ रुगवकि ॥
 नाधवा ॥ काकुमा ॥ गयनममव ॥ लव ॥ मंदलीव ॥ कसकुलीव ॥ वाकलाहालीव ॥ म
 उयितिलीव ॥ कथवयाव ॥ रुवव ॥ वीजवयिति ॥ कनिमालीव ॥ ताउरुवव ॥ यककु
 नाय ॥ खवजा ॥ ॥ ॥ रुथमिया कवावया ॥ रुकटादववया ॥ भनितलिया ॥ ध
 कनमव ॥ कामावी ॥ कल ॥ याखउरुवव ॥ गिमता ॥ रुसिरुव ॥ रुकखानयाकुरु

६॥प्राक्कृतं॥वहवहं॥हामय२हमय२अमय२॥खानमय२॥आः
लम्ब॥मिधूलकायाल॥मिलिति॥खानमय॥शायमलय॥सूकाय॥नयकाय
॥हम॥कउयय॥मामय॥मान्कवटय॥अमय॥हकउ॥हहला३
॥ककुलि॥धीख॥युयुलि॥कय॥अयुलि॥सर्वविधि॥कध॥मूल॥रुल॥यकान्
मय॥मय॥यु॥॥नतामाहावलिद्विधि॥धवन॥जाति॥यल॥स्थथखान॥यालय
॥जिहलखान॥कगद॥कामिद॥मदनय॥उरुल॥पर्वदिनिखान॥वाय

खाना॥जिबखान॥चूयखान॥खानदकमाला॥॥झूसखला॥मानखला॥वलाला॥रुसि
ला॥सटला॥किहिला॥वलसला॥साला॥मसला॥यूर्वादि॥वाल॥त्रयुलि॥मोलाम॥यु
युलि॥यलुकनल॥दवडाला॥कमुबि॥कयल॥शीखउ॥धयविधि॥हुलय॥८नय॥खा
नय॥सागय॥९का॥झका॥निमि॥हास॥नामल॥हिमियाय॥दियटर्कि॥१०बावन॥ह
विष्ठाव॥मनेमिल॥हलल॥हलदि॥हिंयभकु॥३६॥कठ॥यूर्वादि॥मृत्त॥मानिका॥हल
वाल॥यल॥ली॥अह॥३७॥४॥वडाल॥बल॥यूर्वादि॥५७॥लारा॥ललिक॥यला॥जियुलि

कृ कन मधुका ॥ पूर्वदि ॥ यी र्वाजग ॥ गम ॥ यालमिक ॥ गमृ ॥ गीममति ॥ अमृ
 न ॥ वज्ररुत ॥ दयर्ग ॥ पूर्वदि ॥ ही ॥ र्थ ॥ दद ॥ कफि ॥ कुनि ॥ विनि ॥ खरु ॥ गीधउक
 मय ॥ पूर्वदि ॥ ॥ ली ॥ डाहा ॥ गिउल ॥ कल ॥ कागलेठ ॥ लिल ॥ कस ॥ अ ॥ पूर्व ॥ ६
 दिा ॥ यायलमा ॥ नदलि ॥ वनामा ॥ नउम ॥ लदवा ॥ खयाय ॥ ला ॥ यमि
 ॥ सामा ॥ पूर्वदि ॥ ॥ गल ॥ क्री ॥ दा ॥ वि ॥ ली ॥ यल ॥ अहायल ॥ ली ॥ र्थ
 लि ॥ डाहा ॥ क्री ॥ ली ॥ कस ॥ वाला ॥ मि ॥ ल ॥ खाला ॥ र ॥ व ॥ य ॥ र ॥ हा ॥ क ॥ हा ॥ क ॥ य ॥ ना ॥ य ॥ म

गायत्रा॥ ह्यम् ॥ मासं ॥ कठुलि ॥ एका यका ॥ कालान ॥ खान ॥ ॐ ॥ विहि यस्वदि ॥
नवद्विष्ट ॥ नवकश्च यनाकारं ॥ नवयययनाकारं ॥ यययनाकारं ॥ वि. ला.
हि. म. स. क्षवा ॥ म. क्षवा ॥ हि. क्षवा ॥ द. द. क्षला ॥ गी. क्षद. क. क्षला ॥ रु. व. याना ॥ ०० ॥
खा. याना ॥ यलिवालदावखाल ॥ यणाला ॥ यनयवतला ॥ योवलि २ ४ वलि ॥
दायकअद ३२ ॥ अ. वा. र्क. याना ॥ अ. म. न. ॥ का. खा. म. ॥ ॥ गि. ना. व. स. न. थ. न. ॥ ध. न.
मू. ल. दा. ल. याना ॥ र्क. याना ॥ ध. न. वा. दि. क. न. ॥ दि. ग. य. मी. ॥ आ. ग. न. वा. म. य. दि. सि. र.

बी॥का॥म॥॥माला॥कहायानियाग॥ददयलि॥कट॥पिरीयु॥सखदक्षिणा॥यीक
 लिलेख॥म॥यल॥किमिला॥कसियाग॥म्यान॥दुनयलि॥युयुलिधूय॥मिजल
 दक्षिणा॥यीनवृहल॥॥यनधलि॥वलसला॥गी॥दकयाग॥यानयालि॥ १
 याय॥कीकमधूय॥लीदक्षिणा॥पूवलि॥यान॥यनधलि॥युसखाला॥अधः
 याल॥कियम॥आजिखान॥मनखला॥निलस॥॥एकात्रयुलिधूय॥डाहाद
 क्षिणा॥वीकलि॥अमलस॥॥उलनी॥लसनियाग॥वलाला॥युयुलिधूय॥हा

मल॥नयुलि॥दद॥यव॥अयुलिधूय॥मूटि॥अ॥अय॥सहय॥म॥ग॥मा॥हि
 कलल॥यलि॥लिलदक्षिणा॥यालयग॥रुमिला॥धययाग॥यलखान॥ददया
 ग॥वटकला॥सद॥हाम॥अ॥क॥ग॥हि॥लीदक्षिणा॥डुर्धयाग॥१०॥धन॥क॥या॥
 अवसयाकयविधि॥॥उम॥म॥अ॥युलिधूय॥यकलियवि॥वावलि॥क॥य
 याम॥बी॥आल॥ग॥६॥क॥ग॥व॥॥स॥दी॥ला॥ददयाग॥खायेलाय॥म॥ग॥सद॥हाम
 धूय॥रुटि॥॥ता॥क॥न॥म॥महावलि॥वि॥वि॥धि॥ ॥१०॥व॥य॥ल॥म॥व॥बा॥म

हिवागमकया, भक्तियादावलितीया ॥ दयकेश्वर ॥ नाय, यनवास, जजमका २०० ॥ धू
 न २०० ॥ यिमाउ ॥ यीथायवाय पूजाकले कर्तुयताका १० यीसयमाका १ दिशिरे
 अदवायान १० ॥ द्वि २० नवटिरे २० खात्र ३० यवजा १२ भलानेव यय ६६ ६
 दयुकीरे मसकी १ हेमकी २ खाकी १२ दावयु १ सुख ७ यान ४ योकादरु २ केव
 लारु ३ दयु १०० ॥ कीयमास २ कीयमास २ यीयसुन ३ धविगान २४ ॥
 वजिरे २ समयमान समयगवनिरे १ गानद्यविग ४ गानधवायु ७ ॥ रुवगय

१३० ॥ सलिमला, या २०० ॥ कूकूययूजा १ दाकूज, झगला, यीवा, धनदयका ३० ॥
 यलया ३ कात्याय ३ ॥ ॥ दिगयूजा ३० ॥ यकायमीसक यीथायवाय पूजा, दयु
 की १ मरुधवीसक, यीथायवाय पूजा, दयु की १ खिचुयानयावका ॥ विचुकासक, यीथाय
 वाययूजा, दयु की १ शिववरुकी दयु की १ धनिहिं पूजा, कुचुयान, यावका ॥ सावादेस्य
 सायवाय पूजा ॥ ६६ यकी १ धक्कलिविद्यायी ० नयावका ॥ धननदिगयूजा ॥ कुचुन
 यलिनदानका ३० ॥ सुख ७ दयुकल ३० ॥ ॥ लीमाउ खानरुयक ॥ ७ कानिखा

नहायक॥ॐलिमा, खानहायक॥ममान, खानहायक॥ॐनायदा, खानहायक॥
 नवमउ, कथययावनेववा॥यिद्ध, लीव, रुवत, गीदिनिथा॥गीउवावेववा॥जनली॥क
 बाव, थमि॥यिनायक, थमि॥विवाद्ध, रुव, काद्ध, एलीया॥वीमाव, ववाया, वद्ध, यवा
 यायवाधि, रीयाथिनाहाजन॥वालममान॥मयवनिरेववा॥यिनायमउ, काद्ध, ताथ
 व॥वद्ध, वादवी, यवा, कयवाद्ध, यिनाय, उजावन॥वद्ध॥थमिवा॥रिममन॥स्यवया,
 गिमता॥रुवदा, पुत्रनिलाकाला॥मूलयानि, बाहाकूयरावडा, रुव, खाव॥धकननि

मा, मलाहा, खाव, वीजययिनि, खाव, कनिमालीव, खाव॥कृणयाल, खाव॥इवावयाल
 खाव॥मउयिनि, खाव, मूललीव, खाव॥वीजिलियिनाय, उजावन॥मीगलवायिनाय॥
 उजावन॥दधुलाद्ध, यिनाय॥उजावन॥धमतवययावम, हिवागकयाभक्तियादा॥
 वलिवियाऊवा॥वाव॥उयमानस्यवक, दृक्किभक्तिवल्या, वीनयूजानिमित्तार्थ॥या०
 जागिनीविज, यायमाल॥सम्बन्ध०१०१॥अवद, पुक्का, २३०॥मववाव॥॥१०१॥इरेववम
 जाजाया, नवहि, यमी, नवव, वडासी, भक्तियादा॥एवमिदम्, रुवत, वलिम, द, युक्क

१५॥ हे वरसक भसक्री १ ॥ आया स्वास्वान् समय सकल रूपाया ॥ मसकल
न स्वाकनालयन बायाय कि १ ॥ रुचुधिद विद्या ॥ न किन रुसक द्रुयुकी १ ॥ यथायवान्
यूजा ॥ सम्बन् १२३ ॥ येन ॥ ॥ १ ॥ खन भक आस्वाकास ॥ तावान् भक आकाय किना
याय कसि बायाव स्वतसा बाश्री ॥ ध्याना नियादा ॥ हे वरसक द्रुयुकी २ ॥ न किन
रुसक द्रुयुकी १ ॥ धनया त्या त्या स्वास्वान् समय विद्या ॥ मसकल १ ॥ ॥ १ ॥ खन रुत
वन आस्वाकम् धनलिद वक्रकायाव दवविष्ठावकावयव सिद्धार्थदा ॥ ध्याना

नि॥ शिववत्सक पूजा॥ द्युक्ती २॥ द्युक्ती १ न किनरुसक पूजा॥ विद्याय पूजा धूनः
कावत्तवमंडसवतिविद्या स्वथनन॥ द्युक्ती ३ कालरुसिद्धी १ मसुद्धी १ तलसुद्धी
जागवतयादा॥ द्युक्ती २ हंसुद्धी १ सम्वत् ११२३॥ ॥ १२४॥ विदितकद्वयध्याना
यादा॥ शिववत्सक पूजाय वाच पूजा॥ द्युक्ती १ पूजा १॥ ॥ १२५॥ तलकद्वयध्याना
यादा॥ शिववत्सक द्युक्ती १ यथायथा पूजा॥ सम्वत् ११३॥ ॥ १२६॥ विदितसुखरुहा
वा॥ वाजतनूजायादा॥ ग० शिवाय ककुद् मसुद्धी १ शिववत्सक मसुद्धी १

त्याखाखानसमयवियाऊनी॥नकिनरुयाक,यूजा॥दुयुकी॥सम्बत॥१॥१॥ ॥
 १॥उवसिदमदाद,वर्द्धिमावानी,मदाद॥सिकातिकरुनवली,मवउव॥सिकायाव,औ
 थंदावर्द्धिदव,अवार्य,नायक,खनसियाद॥उवसिदानकाव,बाधियाकमीकिनसया १
 दाऊनी॥ध्याऊमायूजा,यऊमरु,मयादाव,लियात॥रुवनमसुकी॥दुयुकी॥धन
 त्याखाखाखानसमयविया,वकसी॥मसक,वनी,त्वाकनावय॥२॥वायाया॥रुवयुधिदवि
 या॥वि,वकन,वजिरे॥२॥जाकरे॥२॥विष॥नकिनरुसक,दुयुकी॥सम्बत॥१॥१॥॥

१॥३॥रेववरुस,यागसुदाव,याऊयाववाढ,थ,काद,सयाद,मावनकनादाव,रुखस
 याद,नयावखयावयाद,ध्याभातिमयादाव,याकानरुच,वाडु,वार्यसकलीरुक॥
 धनलि,यागसकयाभाति,यूजायादा,दीयजागनयूजायादाऊनी॥ ॥१॥उवसिदया
 भाउसुवहासवव,आदाववस,ध्याभातिकुनीमयादाव,वार्स,सकलीमाक,गलया
 खाउरुकरुवदरुनी॥सम्बत॥१॥३॥ ॥१॥३॥अकागरेववयाजायाय,॥नदवखन
 सथंदाववस,खनयाऊ,कनादवव,धवलसयीया,॥लाया,सीममवयाव,सुनिहु
 नद२

तामशादाव गनकरुव यनायमल्लया आहामदभाय नानायामदधर्क वाक्षया
दावयच्छि गनयिनिमविस्त्रायकावतयारुथी

प्र. १६१३ कि. सं. १५३८
४७००